સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોચાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

સત્સંગ પ્રવેશ - ૧
SATSANG PRAVESH - 1

રવિવાર, 17 જુલાઈ, 2005 | સમય : સવારે 9 થી 11:15 | કુલ ગુણ :- 75

વર્ગખંડમાં હાજર રહેલ પરીક્ષાર્થીએ જાતે જ પોતાની વિગત દર્શાવતું સ્ટીકર લગાવવું. **સ્ટીકર વગરની જવાબવહી માન્ય ગણાશે નહીં.**

(The examinee should personally apply the sticker bearing his/her details. **Answer book without sticker will be invalid.)**

આ ચોરસમાં
સ્ટીકર લગાવવું.
(Apply
Sticker Here)

ગેરહાજર પરીક્ષાર્થીની જવાબવહી ઉપર સ્ટીકર **લગાવવાનું નથી.**
(Do not apply sticker of absent examinees.)

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ	પ્રશ્ન નંબર	મેળવેલ ગુણ
	1	
	2	
	3	
	4	
	5	
	6	
	7	
	8	
	9	
	10	
	11	
	12	
	13	
	કુલ ગુણ	

પેપર તપાસનાર(પરીક્ષક)ની સહી

....

પરીક્ષાર્થીએ જાતે ભરવાની વિગત (To Be Filled by Examinee)

Examinee's Seat No. (In Numerics) (પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (આંકડામાં)) | | | | | | |

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર)..

EDUCATION OF EXAMINEE (અભ્યાસ) ....

પરીક્ષાર્થીએ લગાડેલ સ્ટીકર તથા ઉપરની વિગતોની સત્યતાની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગસુપરવાઇઝરે સહી કરવી.

(Exam Supervisor should only sign after checking the sticker and the written details above.)

વર્ગસુપરવાઇઝરની સહી

(Signature of Exam Supervisor) ....

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . .

ચેકર - નામ

ફરી તપાસનાર . . . .

સુધારેલ ગુણ

પાછળ લખેલી સૂચનાઓનું અવશ્ય પાલન કરવું.

(Please follow the instructions written on the back side.)

प्राप्त गुण : प्रश्न-१ ( ) प्रश्न-२ ( )

(विभाग- १ : नीलकंठ चरित्र)

प्र.१ निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए। [६]

१. ''प्रभु के दो चरणों में कुल सोलह चिह्नों होते हैं ।''

कौन कहता है ? .... किसे कहता है ?..

कब ? ....

२. ''आपकी मूर्ति की स्थापना मैं भरतखंड में अवश्य करुँगा ।''

कौन कहता है ? .... किसे कहता है ?..

कब ? ....

३. ''मैंने रामानंद स्वामी के दर्शन कर लिए ।''

कौन कहता है ? .... किसे कहता है ?..

कब ? ....

प्र.२ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) [६]

१. नीलकंठ ने सेवकराम का त्याग किया ।

....

....

....

२. नीलकंठ ने अपनी वाणी को शाप दिया ।

....

....

....

३. रामानंद स्वामी ने मिसरी मंगवाई ।

....

....

....

प्र. ३ निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें । (वर्णनात्मक) [५]

१. खंभा पकड़कर रहना । २. नीलकंठ तोताद्रि में । ३. तेलंगी ब्राह्मण का उद्धार ।

प्रसंग :

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **[५]**

१. बावाजी ने चोलाई की भाजी तोड़ लाने के लिए कहा, तब नीलकंठ ने क्या जवाब दिया ?

....

२. नीलकंठ वणी ने किसको भविष्यवाणी करते हुए अपना नाम सहजानंद बताया ?

....

३. नीलकंठ वर्णी ने गृहत्याग कब किया ? (दिन, महीना, साल)

....

४. पुलहाश्रम में नीलकंठ वर्णी की सेवा में कौन खड़े रहते थे ?

....

५. त्यागी के माता-पिता और गुरु कौन होते हैं ?

....

प्राप्त गुण : प्रश्न-५ [ ] प्रश्न-६ [ ] प्रश्न-७ [ ]

प्र. ५ निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्पों के क्रमांक लिखिए । [६]

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठ जहाँ जहाँ भी जाते, वहाँ क्या उपदेश देते थे ?
(अ) स्त्री का त्याग । (ब) अहिंसा । (क) ब्रह्मचर्य । (ड) धन का त्याग ।

जवाब : ....

२. नीलकंठ ने गोपालयोगी से कौन-सी विद्या प्राप्त की ?
(अ) ब्रह्मचर्य । (ब) अष्टांग योग । (क) ब्रह्मविद्या । (ड) दहरविद्या ।

जवाब : ....

३. नीलकंठ ने किसे किसे अक्षरधाम भेंट दिया ?
(अ) कुरजी दवे (ब) मयाराम भट्ट (क) नरसिंह मेहता (ड) लखु चारण

जवाब : ....

प्र. ६ निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. नीलकंठ वर्णी सं. १८५६ को .... के दिन लोज आये ।

२. पंजाब के राजा .... को नीलकंठ ने आशीर्वाद दिया ।

३. नीलकंठ गुजरात में .... शहर में तीन दिन तक भूखे-प्यासे रहे ।

४. रामानंद स्वामी ने वर्णी को दीक्षा देकर सहजानंद स्वामी तथा .... नाम दिए ।

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-१)

प्र. ७ निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए । [६]

१. ''शुकमुनि को बुलाकर लाओ, एक चिट्ठी लिखवानी है ।''

कौन कहता है ? .... किसे कहता है ? ....

कब ? ....

२. ''धाम में आने की जल्दबाज़ी मत करना ।''

कौन कहता है ? .... किसे कहता है ? ....

कब ? ....

३. ''अब मुझे धाम पहुँचा दीजिए ।''

कौन कहता है ? .... किसे कहता है ? ....

कब ? ....

प्राप्त गुण : प्रश्न-८ ( ) प्रश्न-९ ( ) प्रश्न-१० ( )

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) **[४]**

१. भगतजी महाराज ने जेठाभाई के पास बैठकर उसे कथा सुनाई ।

....

....

....

२. झीणाभाई के प्रति नवाब साहब को आदर बढ़ गया ।

....

....

....

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें। **[५]**

प्रसंग :- तारा मुखनी लावणता........... कीर्तन में महाराज की मूर्ति का दर्शन ।

१. सुंदरनेण कमलदळ जेवी । **२.** भाल-तिलक केसर केरुं राजे । **३.** मनडुं लीधुं प्रोईने रे । **४.** एवी त्रिभुवन मां नव दीठी रे...... ५. अधर उपर जाणे कुंकुम ढळियुं । ६. मुख जोई शशियर लाजे रे..... ७. दंत दाडम केरी कळियुं रे....... ८. मनडुं डोले छे केडे केडे रे........ ९. गौर कपोल सुभग तिल त्राजुं । १०. रंगडो झाम्यो छे फूलडा ने तोरे रे... ।

केवल नंबर :- [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

प्र. १० निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **[४]**

१. कौन-सा पद निर्गुण स्वामी ज्यादा बोलते थे ?

....

२. देवानंद स्वामी के कीर्तन सुनकर कौन उनके शिष्य बने थे ?

....

३. महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी के भाल में गोपीचंदन एवं कुमकुम का तिलक करके क्या कहा ?

....

४. शुकानंद स्वामी रचित एक संस्कृत और एक प्राकृत ग्रंथ के नाम लिखो ।

....

प्र. ११ निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें । (वर्णनात्मक) **[५]**

१. भक्तराज जीवुबा की ठाकुरजी के प्रति भक्ति ।   २. जोबन पगी का परिवर्तन ।

३. नमक की डली समुद्र के पानी की थाह लेने गई तो पानी में ही समा गई ।

प्रसंग :

....

....

....

....

प्राप्त गुण : प्रश्न-११ ( ) प्रश्न-१२ ( )

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्र. १२ निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। [४]

१. महाराज ने संवत् १८७८ के चैत्र मास में वड़ताल में मंदिर की प्रतिष्ठा की । [ ]

....

२. ब्रह्मानंद स्वामी के आशीर्वाद से दलपतराम कविश्वर हुए । [ ]

....

३. जोबनपगी का नाम महाराज के साथ जोड़ दिया गया है – हे मन्तार्चास्तुतिप्रीयाय नमः । [ ]

....

४. निर्गुण स्वामी वड़ताल में थे तब तक किसी साधु में यह हिम्मत नहीं थी कि 'जा' या 'प्रा' शब्द भी बोल सके । [ ]

....

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र. १३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब तीस वाक्य में निबंध लिखिए। **[१५]**

१. नीलकंठ की कल्याणयात्रा ।

२. प्रमुखस्वामी महाराज की पराभक्ति ।

३. जीवन में संयम-नियम की आवश्यकता ।

निबंध :

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ર

प्राप्त गुण : प्रश्न-१३